रोबोट नहीं, इंसान की तरह करें काम

रायपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

सफल व्यापार की कुंजी है- स्थिरता। यदि आप केवल रोबोट की तरह काम करते रहेंगे तो खुद को कभी स्थापित नहीं कर सकते। वर्तमान समय की सबसे बड़ी समस्या है कि युवा कंपनियों में रोबोट की तरह काम कर रहे हैं। रोजाना सुबह ऑफिस पहुंचते ही दिए गए असाइनमेंट को पूरा करने की होड़ में लग जाते हैं। इनोवेशन और नए आइडिया के लिए कोई सोच ही नहीं केवल वो रोबोट हैं। इसमें कुछ हद तक कंपनी प्रबंधन की भी गलती है, जो इनोवेशन के लिए अलग से नियुक्तियां कर देते हैं, जो पूर्णत: गलत है। कोइ भी व्यक्ति बैठे-बैठे इनोवेशन नहीं कर सकता। उक्त कार्य को जो व्यक्ति कर रहा है, उसे समय दिया जाए तो वह इनोवेशन कर सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गूगल है, जो अपने

देबोलिना दत्ता हेड एच आर ल्यूमिक्स।

धर्मरक्षित हेड एचआर हीरो मोटो

कर्मचारियों को पूरी स्वतंत्रता देता है। कुछ इस तरह के विचार आइआइएम रायपुर में हुए तीसरे शिखर सम्मेलन में राष्ट्रीय मानव संसाधन नेटवर्क के महानिदेशक धनंजय सिंह ने कही। आइआइएम के निदेशक भरत भास्कर, सोसिएट जनरल ग्रुप एचआर जतिंदर साल्वान, सैमसंग एचआर सरस्वती सिन्हा, सीपीओ ग्लोबल हेड एचआर संजय वर्मा मौजूद रहे। सभी ने मानव सांसाधन में डिजिटलीकरण: संगठनात्मक स्थिरता में एक नई सफलता पर चर्चा की।

अवसरवादी के अपेक्षा विकासवादी बनें

बतौर वक्ता पहुंची सैमसंग की एचआर सरस्वती सिन्हा ने कहा कि अच्छे पैकेज की चाह में युवा अवसरवादी बन गए हैं। ये गलतधारणा नहीं लेकिन इनोवेशन के विकास पर भी ध्यान दें। केवल मोटे पैकेज की चाह में भाग रहे हैं। इस तरह की अवसरवादिता से रोजगार तो मिल रहे हैं, लेकिन प्रबंधन के क्षेत्र में इनोवेशन नहीं हो रहा है।

डिजिटलकरण से संगठनात्मक शक्ति को करें मजबूत

द्वितीय वक्ता ग्लोबल हेड एचआर संजय वर्मा ने कहा डिजिटल सिस्टम तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन संगाठनात्मक शक्ति कमजोर हो रही है। इसका कारण यही है कि सभी युवा डिजिटल सिस्टम के आदी तो बन रहे हैं, लेकिन इनोवेशन पर बिलकुल भी ध्यान नहीं है।

Naiduniya, 5th August 2018, P.17